मदन महल थाने में हंगामा, फर्जी मामला लगाकर जेल भेजने का आरोप

महिला ने खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह का किया प्रयास

हरिभूमि, जबलपुर।

मदन महल थाना सोमवार को उस वक्त अचानक चर्चा का केंद्र बन गया, जब एक महिला ने थाने के अंदर ही अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेलकर आत्महत्या करने की कोशिश कर दी। घटना से थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और महिला स्टाफ की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार गढ़ा थाना क्षेत्र के गुप्ता नगर निवासी जयंती यादव एक डिब्बे में पेट्रोल लेकर मदन महल थाने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि वह सितंबर 2025 में हुई एक चाकूबाजी की घटना में पुलिस कार्रवाई से नाराज थी। कुछ देर तक अधिकारियों से बातचीत करने के बाद अचानक उसने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। यह दृश्य देखते ही थाना परिसर में हड़कंप मच गया।

महिला पुलिस स्टाफ की तत्परता

घटना के दौरान मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए जयंती यादव को आत्मघाती कदम उठाने से रोक लिया। पुलिसकर्मियों ने समझाइश देकर उसे शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। यदि कुछ क्षण की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

चाकूबाजी मामले को लेकर नाराजगी

बताया जा रहा है कि मामला स्नेह नगर क्षेत्र में सितंबर 2025 में हुई चाकूबाजी की घटना से जुड़ा है, जिसमें मान्या ठाकुर नामक युवक पर जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया था। दो आरोपियों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी थी, जबकि हाल ही में तीसरे आरोपी के रूप में लकी मरावी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जयंती यादव का आरोप है कि लकी मरावी को गलत तरीके से आरोपी बनाया गया है और मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई। महिला ने पुलिस पर रिश्वत मांगने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

थाने के भीतर इस तरह की घटना ने पुलिस की शिकायत निवारण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों के बीच यह चर्चा रही कि यदि शिकायतकर्ता की आपत्तियों का समय रहते समाधान होता तो स्थिति यहां तक नहीं पहुंचती। फिलहाल पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी। वहीं पूरे घटनाक्रम के बाद यह मामला शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बिना नोटिस ठेले-टपरे हटाने पर आक्रोश केंट बोर्ड अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

जबलपुर। केंट बोर्ड द्वारा ब्रह्माकुमारी आश्रम रोड स्थित केंट वार्ड क्रमांक 8 में कथित रूप से बिना पूर्व सूचना और नोटिस के गरीब दुकानदारों के ठेले-टपरे हटाए जाने पर विरोध तेज हो गया है। पीड़ितों और स्थानीय लोगों ने कार्रवाई को नियम विरुद्ध बताते हुए दोषी अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार 3 जून की सुबह करीब 5:30 बजे विकास पिल्ले, मुन्ना सेन, दुम्मीलाल, प्रकाश, संजय सेन तथा साईं चाट सेंटर सहित कई छोटे व्यापारियों के ठेले-टपरे तोड़ दिए गए। प्रभावित लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान न तो पूर्व नोटिस दिया गया और न ही प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी थी, जिससे उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी और पंकज गुप्ता ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि गरीबों को न्याय नहीं मिलने पर केंट बोर्ड कार्यालय का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा। संगठन ने प्रभावित दुकानदारों को मुआवजा, वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। मामले की शिकायत गोरखपुर थाने में भी की गई है।

वृद्धा के गले से मंगलसूत्र लूटकर भागे बाईकर्स

चाकू अड़ाकर युवक का मोबाईल और चैन लूटी

जबलपुर। शहर में लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 24 घंटों में गोरखपुर और विजयनगर थाना क्षेत्रों में लूट की दो घटनाएं सामने आयी हैं। गोरखपुर में सांई नगर व्हू प्वांइट के पास चार अज्ञात बदमाशों ने चाकू अड़ाकर एक युवक का मोबाइल और गले में पहनी चांदी की चैन छीनकर भाग गए। वहीं विजयनगर में शिवनगर टंकी के पास मोटर सायकल में आये अज्ञात 2 बदमाशों ने एक वृद्ध महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र खींचकर ले भागे।

गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड मदनमहल निवासी 19 वर्षीय आयुष नेमा गत शाम लगभग 6 बजे अपने साथी तनिष्क सिंह ठाकुर, साहिल श्रीवास के साथ सांई नगर व्हू प्वांइट नयागांव रामपुर घूमने आये थे तथा व्हू प्वाइंट के पास खड़े थे तभी वहां पर 4 अज्ञात लड़के आये, और उसकी गर्दन में चाकू अड़ा दिया तथा एक लड़के ने उसे पकड़कर उसका सेमसंग कम्पनी का मोबाइल व गले में पहनी चांदी की चैन छीन लिया तथा अन्य दो लड़कों ने उसके दोस्तों को पकड़ने की कोशिश की लेकिन दोनों दोस्त वहां से भाग गये। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 309(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह विजयनगर में शिवनगर कदम गार्डन के पास विजयनगर निवासी 50 वर्षीय सुपारस जैन ने लिखित शिकायत की, कि उनकी मां श्रीमति आशा जैन प्रतिदिन की तरह सुबह लगभग 6 बजे शिवनगर जैन मंदिर गई थी। शिवनगर टंकी के पास अज्ञात दो व्यक्ति मोटर सायकिल में आए और आशा जैन के गले में पहनी सोने का मंगलसूत्र खींचकर ले गए। पुलिस ने लिखित शिकायत पर अज्ञात के विरूद्ध धारा 304 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

नेहा जेठा प्रदेश संयोजिका मनोनीत

जबलपुर। पूर्वी मध्यप्रदेश महेश्वरी महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष राजश्री राठी एवं प्रदेश सचिव रेणु झंवर ने 'स्वर्णिम आध्यात्मिक पर्व एवं संस्कृति समिति' की प्रदेश संयोजिका कथा वाचक नेहा-प्रदीप जेठा को मनोनीत किया है। उक्त जानकारी महेश्वरी महिला मंडल जबलपुर की प्रचार-प्रसार सचिव पूजा महेश्वरी द्वारा प्रेषित की गई है।

अब निरीक्षक स्तर पर बड़े फेरबदल के संकेत

नई टीम के भरोसे कानून-व्यवस्था की तैयारी

जबलपुर। पुलिस मुख्यालय द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) स्तर के तबादले किए जाने के बाद अब जबलपुर पुलिस महकमे में अगले चरण के फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। नई पदस्थापनाओं के साथ जिले की पुलिस व्यवस्था को नए सिरे से व्यवस्थित करने की तैयारी शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में निरीक्षक और उप निरीक्षक स्तर पर भी व्यापक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हाल ही में जारी तबादला आदेशों के तहत कई नए अधिकारियों की जबलपुर में पदस्थापना हुई है। इनमें आईपीएस अधिकारी अनु बेनीवाल, आयुष जाखड़, अखिलेश तिवारी और मुकेश कुमार वैश्य के नाम प्रमुख हैं। नई टीम के कार्यभार संभालने के साथ विभिन्न शाखाओं और फील्ड इकाइयों में जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण भी शुरू होने की संभावना है।

अब नजर निरीक्षक सूची पर

पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार एएसपी और डीएसपी स्तर के फेरबदल के बाद अब निरीक्षक स्तर की सूची पर अंतिम मंथन चल रहा है। कई थाना प्रभारियों और शाखा प्रभारियों का कार्यकाल पूरा हो चुका है, ऐसे में उनके स्थानांतरण या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। विभागीय स्तर पर इस सूची को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

कई शाखाओं में बदल सकती है कमान

इस प्रशासनिक पुनर्संरचना का असर केवल जिला पुलिस तक सीमित नहीं रहेगा। एसएएफ, विशेष शाखा, अपराध शाखा, लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, सीआईडी और अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों में भी पदस्थापनाओं की समीक्षा की जा रही है। नए अधिकारियों के आने से कई संवेदनशील शाखाओं में नेतृत्व परिवर्तन संभव माना जा रहा है।

थानों में दिख सकती है नई कार्यशैली

पुलिस महकमे के जानकारों का मानना है कि अधिकारियों के बदलाव के बाद थाना स्तर पर भी नई कार्यशैली और प्राथमिकताएं दिखाई दे सकती हैं। कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और जनसुनवाई व्यवस्था को लेकर नई टीम अपनी कार्ययोजना के अनुसार काम करेगी। ऐसे में आने वाले कुछ सप्ताह जबलपुर पुलिस प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

15 जून तक बड़ा फेरबदल संभव

विभागीय सूत्रों का कहना है कि निरीक्षकों की सूची लगभग अंतिम चरण में है और जून के मध्य तक इसे जारी किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो जिले के कई प्रमुख थानों की कमान नए अधिकारियों को सौंपी जा सकती है। इससे पुलिस व्यवस्था के फील्ड ढांचे में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे।

पर्यावरण बचाने स्काउट्स गाइड्स ने चलाया जागरूकता अभियान

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा जिले के विभिन्न

विद्यालयों एवं नर्मदा तट पर दो दिवसीय पर्यावरण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कमिश्नर (स्काउट) घनश्याम सोनी के संरक्षण तथा जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी के नेतृत्व में किया गया। अभियान के तहत 4 जून को आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में 70 स्काउट्स एवं गाइड्स ने भाग लिया। वेबिनार में विनोद शर्मा, विभूति सिंह एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन विषय पर मार्गदर्शन दिया। 5 जून को नर्मदा तट स्थित उमा घाट पर आयोजित जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम में 35 स्काउट्स एवं गाइड्स शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों ने पेंटिंग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। डॉ. विजयकांत तिवारी ने सभी को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और प्रकृति रक्षा का संकल्प दिलाया। संवाद सत्र में श्रद्धालु निशा, अतुल एवं बनवारी ने अपने विचार साझा किए तथा स्काउट्स-गाइड्स के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले स्काउट एवं गाइड लीडर्स को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विजय कुमार झारिया, राहुल राजपूत, शुभम ठाकुर, ममता सिंह, किरण येवले, रशिका द्विवेदी, शिल्पा श्रीवास एवं अंजलि श्रीवास्तव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

खेत में लगा केबल वायर और स्टार्टर चोरी

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत लमान खेत में लगे केबल वायर और स्टार्टर अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मनगवां निवासी 57 वर्षीय किसान देवकरण पटेल की लमान खेत में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल में डीपी से वायर खींचा था जिसमें स्टार्टर लगा भी लगा था। शनिवार की सुबह 5 बजे वह खेत पहुंचा तो देखा कि उसकी 2700 फीट सिल्वर वायर, 15 फीट केबल एवं स्टार्टर कीमती 40 हजार रूपये की अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने लगाई फांसी

जबलपुर। अधारताल के न्यू कंचनपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव मिलने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि 35 वर्षीय नेहा सिंह की हत्या उसके पति मयंक सिंह ने की थी। घटना का सबसे महत्वपूर्ण गवाह नेहा का 8 वर्षीय बेटा बना, जिसने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने ही उसकी मां की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार नेहा सिंह का शव शुक्रवार को अधारताल स्थित किराए के मकान में मिला था। मकान से तेज दुर्गंध आने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो मकान का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद मिला। ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने पर रसोई में नेहा का शव पड़ा मिला। शव के गले में दुपट्टे का फंदा था और उसका दूसरा सिरा पंखे से बंधा हुआ था। प्रारंभिक जांच में महिला की मौत दो से तीन दिन पहले होना सामने आया था। जांच के दौरान घर के भीतर नेहा का 8 वर्षीय बेटा डरा-सहमा मिला। बच्चे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता मयंक सिंह अक्सर शराब के नशे में घर आते थे और उसकी मां के साथ मारपीट करते थे। बच्चे के अनुसार घटना वाली रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद उसके पिता ने मां की हत्या कर दी। पत्नी का शव मिलने के बाद से ही अधारताल पुलिस मयंक सिंह की तलाश कर रही थी। इसी बीच शनिवार सुबह रांझी थाना क्षेत्र स्थित व्हीकल फैक्ट्री इस्टेट के एक खंडहर हो चुके क्वार्टर में मयंक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस का मानना है कि पत्नी की हत्या के बाद मयंक ने आत्महत्या कर ली। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के अनुसार शुक्रवार शाम व्हीकल इस्टेट क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक घूमता दिखाई दिया था। सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह अपना वाहन छोड़कर भाग गया। वाहन की तलाशी में एक सुसाइड नोट मिलने के बाद उसकी तलाश शुरू की गई थी। अगले दिन उसी क्षेत्र के एक खंडहर क्वार्टर में उसका शव बरामद हुआ। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि नेहा का यह दूसरा विवाह था। पहले पति की मृत्यु के बाद उसने करीब दो वर्ष पहले कटनी जिले के विजयराघवगढ़ निवासी मयंक सिंह से शादी की थी। नेहा अपने पहले पति से हुए बेटे के साथ मयंक के साथ न्यू कंचनपुर में किराए के मकान में रह रही थी। मयंक एक चॉकलेट फैक्ट्री में काम करता था, जबकि नेहा स्पा सेंटर में नौकरी करती थी। पुलिस के मुताबिक नेहा के स्पा सेंटर में काम करने को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी घरेलू कलह ने अंततः इस दर्दनाक वारदात का रूप ले लिया। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है और पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

8 साल के बेटे ने खोला राज

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजी कृष्ण भक्ति, बाल लीलाओं के वर्णन से भावविभोर हुए श्रद्धालु

जबलपुर। द्वारका नगर स्थित श्री शिव दुर्गा मंदिर परिसर में श्री शिव दुर्गा मंदिर महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा पंडाल भक्तिमय माहौल और जयघोषों से गूंज उठा। कथाव्यास पं. महेन्द्र दुबे (पनागर) ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्तों पर उनकी कृपा तथा धर्म स्थापना से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है तथा वर्तमान समय में समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और संकीर्तन ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु "राधे-राधे" और "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष के साथ भक्ति रस में डूबे नजर आए।

कथाव्यास ने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण और भागवत कथा का श्रवण आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। यह आयोजन परम पूज्य कूड़ा वाले दद्दा जी के आशीर्वाद से संपन्न हो रहा है। आयोजन की व्यवस्थाओं में सुधा मिश्रा, किरण विश्वकर्मा, वर्षा झा, शालू शर्मा, रमला जी, शोभा झा, गीता कटारिया, प्रमिला उपाध्याय, मालती भार्गव, ज्योति, रमेश चंद्र झा एवं राजेश झा सहित महिला मंडल के सदस्य सक्रिय रहे। कथा का समापन 9 जून को होगा।

एसीएस वर्णवाल ने दिया स्पष्टीकरण

एमपीएमएसयू के विखंडन पर अभी कोई फैसला नहीं

जबलपुर। मप्र आर्युविज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) को तीन हिस्सों में बांटने के प्रस्ताव पर प्रदेश सरकार ने फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है, यह जानकारी अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने दूरभाष पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे को दी, साथ ही उन्होंने मंच से आग्रह किया कि इस संबंध में एक ठोस प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजे, जिस पर विचार किया जा सके। गौरतलब है कि नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने अपर मुख्य सचिव को फोन लगाकर एमपीएमएसयू के विखंडन को लेकर जबलपुर के व्याप्त आक्रोश से अवगत कराया। इस वार्ता के दौरान अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने स्पष्ट किया कि विखंडन पर अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है. यदि मंच के पास कोई ठोस प्रस्ताव है तो भेजें, उस पर विचार किया जाएगा। डॉ. नाजपांडे ने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के परिनियम में भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और रीवा में 5 क्षेत्रीय समन्वय केंद्र बनाने का प्रावधान पहले से है. मंच की मांग है कि यूनिवर्सिटी का विखंडन करने की बजाय इसी प्रावधान के तहत रीजनल सेंटर बनाए जाएं। मंच ने अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी का मुख्यालय जबलपुर में ही रखने के स्पष्ट निर्देश हैं. ऐसे में एक्ट का उल्लंघन नहीं होना चाहिए. मंच के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अग्रोलिया, डी.आर. लखेरा, मनीष शर्मा, सुशीला कनौजिया और गीता पांडे ने बताया कि अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर जल्द ही विस्तृत प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

माढ़ोताल के वसंत नगर नई बस्ती में वारदात

आधी रात को तीन वाहनों में लगाई आग

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के ग्राम रैगवां स्थित वसंत नगर नई बस्ती में देर रात अज्ञात शरारती तत्व द्वारा घर के बाहर खड़े तीन दोपहिया वाहनों में आग लगा देने का मामला सामने आया है। घटना के समय परिवार के सदस्य भोजन के बाद सो रहे थे। तभी घर के बुजुर्ग राम चरण चौधरी ने बाहर आग की लपटें उठती देख शोर मचाया, जिससे घर के लोग जागे और बाहर पहुंचे। जब तक परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक टेक सिंह अहिरवार के आंगन में खड़ी पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-20 एमटी-9318 सहित एक सीटी-100 बाइक और एक्टिवा स्कूटी आग की चपेट में आ चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने पानी और मिट्टी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तीनों वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और नाराजगी का माहौल है। पीड़ितों का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर रंजिश या शरारत के चलते वाहनों में आग लगाई है। सूचना मिलने पर माढ़ोताल पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा आगजनी करने वाले आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वेटरनरी विश्वविद्यालय में निविदा प्रक्रिया पर उठे सवाल, एनएसयूआई ने की जांच की मांग

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई प्रदेश सचिव एजाज अंसारी ने किया। ज्ञापन में विश्वविद्यालय के संपदा अधिकारी डॉ. एस.के. कारमोरे पर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि जबलपुर एवं महू के लिए फर्नीचर क्रय संबंधी GeM पोर्टल निविदा में पात्रता और दस्तावेजों की शर्तें पूरी नहीं करने वाली कुछ फर्मों को कथित रूप से लाभ पहुंचाकर कार्य आदेश जारी किए गए। साथ ही निविदा समिति के गठन और प्रक्रिया में नियमों के पालन नहीं होने का भी आरोप लगाया गया है। एनएसयूआई ने यह भी आरोप लगाया कि फर्नीचर आपूर्ति के लिए पंजीकृत नहीं होने वाली फर्म को कार्य आदेश दिया गया तथा प्रशासनिक कार्यों में नियमित कर्मचारियों के बजाय संविदा और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों से कार्य लिया जा रहा है। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान शफी खान, अनुराग शुक्ला, सैफ मंसूरी, वकार खान, युग ठाकुर एवं अनिकेत तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आम वृक्ष के नीचे खाट पर बैठकर ग्रामीणों के साथ सीएम साय ने लगाई चौपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

मुख्यमंत्री साय।

प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड स्थित निमधा गांव पहुंचे।

यहां उन्होंने गांव के आम के पेड़ के नीचे खाट पर बैठकर ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई और उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानी तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती, राजस्व मामलों में अनियमितताओं, पेयजल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था पर नाराजगी जताई और संबंधित डिविजनल इंजीनियर को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की हकीकत जानी

1 मई से शुरु हुआ 10 जून तक चलेगा सुशासन तिहार

मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 मई से 10 जून तक सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसका प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि अब तक वे 28 जिलों का दौरा कर चुके हैं और समाधान शिविरों के साथ-साथ अचानक चौपाल लगाकर भी लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राशन, स्वास्थ्य, राजस्व, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नई उद्योग नीति 2024-30 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही उन्होंने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पर्यटन विकास की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल के उत्पादन, ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि किसानों को इसका अधिक लाभ मिल सके।

कलेक्टर को स्वयं जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। वहीं राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन को स्वयं जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों ने मुख्यमंत्री को अपने कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

पेक्स में गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, समिति पूर्ववत रहेगी संचालित

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा-भरा रखने लगाएं पेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने एक पेड़ मां के नाम तहत अपेक्स बैंक परिसर में लगाया आम का पौधा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढ़ियों के भविष्य को बचाए रखने के लिए पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंडराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मप्र राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने अपेक्स बैंक परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आम का पौधा भी रोपा। इसमें 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र मिल्क कैपिटल बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। प्रदेश के किसान दूध उत्पादन में अपनी समृद्धि का मार्ग खोज रहे हैं। दूध उत्पादन से किसानों का आय में वृद्धि हुई है। सरकार ने दूध का उत्पादन 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। मप्र में इन दिनों दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ गया है। गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ देने के लिए शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में जल्द ही शुगर फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि हर संभव प्रयास करके अपने पर्यावरण को संरक्षित करना ही होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस साल हम एक लाख पौधे लगाने जा रहे है। कार्यक्रम को अपेक्स बैंक के अध्यक्ष (प्रशासक) महेन्द्र सिंह यादव ने भी संबोधित किया।

पौधरोपण करते सीएम डॉ. यादव।

कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पैक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसाइटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जाएगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पाएं और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (विश्व योग दिवस) तक पूरे एक पखवाड़े के दौरान सभी सहकारी समितियों के माध्यम से एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे।

राज्यसभा चुनाव में मप्र से प्रत्याशी तरुण ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन से की सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को उनके निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा चुनाव में मप्र से प्रत्याशी तरुण चुघ ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें विजय की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी और भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा, कोई जनहानि नहीं

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में अचानक आग लगने से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी के बॉम्बे मार्केट स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। कार्यालय परिसर से धुआं उठता देख कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे कार्यालय भवन के भीतर से धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसके बाद कुछ ही मिनटों में आग ने तेज रूप ले लिया। आग लगने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल

लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर तेजी से मोर्चा संभाला और आग को भवन के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक दिया। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता था। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, लेकिन वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलों को पहुंचा नुकसान

पुलिस और फायर विभाग संयुक्त रूप से पूरे मामले की पड़ताल कर रहे हैं।आगजनी की इस घटना में बैंक के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलें और कार्यालयीन रिकॉर्ड प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। बैंक प्रबंधन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और यह पता लगाया जा रहा है कि कितने दस्तावेज नष्ट हुए हैं और आर्थिक क्षति कितनी हुई है।

फर्जी नामांतरण मामले में पटवारी निलंबित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही तहसील के ग्राम मगुरदा में आदिवासी परिवार की पैतृक भूमि में फर्जी नामांतरण के मामले में जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। कलेक्टर संतोष कुमार देवांगन ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर सख्त निर्देश दिए हैं। हल्का पटवारी रवींद्र कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। तहसीलदार प्रीति शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। मामले में संलिप्त महेश साकत के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश मिले हैं। यह शिकायत ग्राम सेमरदर्दी निवासी सावन सिंह वाकरे और अन्य ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी आदिवासी भूमि का फर्जी दस्तावेजों से नामांतरण हुआ। भूमि को अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज कर बेचने की तैयारी थी। अनुविभागीय अधिकारी मरवाही की जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

मप्र वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार 2024-25 से सिवनी मालवा नगर पालिका परिषद सम्मानित

सिवनी मालवा नगर पालिका परिषद को सम्मानित करते मुख्यमंत्री।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सिवनी मालवा नगर पालिका परिषद् को मप्र वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा नगर पालिका परिषद् को प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए नगर पालिका नगर परिषद श्रेणी में यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। पुरस्कार के अंतर्गत परिषद् को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं 1 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस उपलब्धि से पूरे नगर में हर्ष का वातावरण है।

कंदेली नदी के संरक्षण विकास को मिली गति

नगर पालिका परिषद् द्वारा कंदेली नदी के उन्नयन एवं संरक्षण को लेकर भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। नदी के गहरीकरण, रिटर्न वॉल निर्माण, स्टॉप डैम के किनारे सड़क एवं पार्क निर्माण सहित सुविधाओं के विकास कार्य जारी हैं। एक वर्ष में पार्कों का निर्माण, स्टेडियम एवं इंडोर स्टेडियम की स्थापना, ओपन जिम का विकास, पौधरोपण अभियान, घाटों एवं तालाबों का सौंदर्यीकरण, सुलभ शौचालयों का निर्माण जैसे अनेक कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए गए।

नगर पालिका अध्यक्ष रितेश ने जताया आभार

नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने सम्मान प्राप्त होने पर नगर के नागरिकों, माताओं, बहनों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे सिवनी मालवा परिवार की मेहनत, सहयोग और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा, यह सम्मान सिवनी मालवा की जनता, मातृशक्ति, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका परिवार को समर्पित है। हमारा संकल्प केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को बेहतर एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंदेली नदी के संरक्षण, स्वच्छता, हरियाली और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

आज आसमान पर बादल छाए रहने की उम्मीद

अगले पांच दिनों तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री से पहले ही कई जिलों में आंधी-तूफान और बारिश का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार के बाद शनिवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा।

रायगढ़ में अचानक तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में इसी तरह के मौसम बने रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में शनिवार और रविवार को बादल छाए रहने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक, बारिश और धूलभरी आंधी चलने की भी संभावना है।

गरज-चमक, बारिश या धूलभरी आंधी की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार आज राजधानी रायपुर में बादल छाए रह सकते हैं। गरज-चमक, बारिश या धूलभरी आंधी की संभावना है। शहर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इसके अलावा प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अभी राज्य में मानसून के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

अनियमितताओं पर नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने की सख्त कार्रवाई

प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारियों की वेतनवृद्धि रोकने, पदावनति एवं पेंशन कटौती के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध लंबित जांच प्रकरणों में अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा वित्तीय अनियमितताओं, निर्माण कार्यों में लापरवाही, शासकीय भूमि एवं आय हड़पने तथा कोरोना काल में सामग्री क्रय में अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को दंडित किया है।

नगर परिषद नगौद में स्टॉप डेम निर्माण कार्य में पाई गई अनियमितताओं के मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय पांडे को एक वर्ष तक पदोन्नति की पात्रता नहीं रहेगी। नगर परिषद जैतहरी, जिला अनूपपुर में कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन अवधि में सामग्री क्रय में अनियमितताओं के मामले में तत्कालीन भंडार प्रभारी मोहित शर्मा की चार वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोक दी गई हैं। इसी मामले में तत्कालीन प्रभारी मुख्य लिपिक लेखपाल रजनीश लहंगीर एवं तत्कालीन स्वच्छता प्रभारी संजीव राठौर की भी चार वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।

इन अधिकारियों पर भी ऊपर हुई कार्रवाई

जैतहरी में ही शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की भूमि एवं आय हड़पने के मामले में राजस्व निरीक्षक अवधेश बीझी को दोषी मानते हुए उनकी दो वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह की आगामी दो वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।
नगर परिषद जैतहरी में भूमि संबंधी अनियमितताओं के मामले में तत्कालीन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम मिलन तिवारी को दोषी पाए जाने पर उनके सेवानिवृत्त होने के कारण देय पेंशन की 10 प्रतिशत राशि स्थायी रूप से रोक दी गई है। वहीं कोरोना काल में सामग्री क्रय में अनियमितता के एक अन्य मामले में तिवारी की पेंशन की 20 प्रतिशत राशि स्थायी रूप से रोकने की कार्रवाई की गई है। नगर परिषद पिपलौदा में नीलामी प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी अरुण पाठक की तीन वेतनवृद्धियां रोक दी गई हैं।

अनियमितताओं के कारण गिरी गाज

तालाब संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण योजना के अंतर्गत नगर पालिका परिषद धार में देवीसागर तालाब निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन उपयंत्री सुधीर ठाकुर की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। इसी प्रकार तालाब सौंदर्यीकरण कार्य में अनियमितता के मामले में तत्कालीन सहायक यंत्री देवेन्द्र कोल की भी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है।

मेयर ने पीब्ल्यूडी अफसरों को किया तलब, शुरू करवाया नाले का निर्माण

भोपाल। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को त्रिलंगा ओरामाल क्षेत्र में अपनी मौजूदगी में नाले का निर्माण कार्य शुरू करवाया। वे गत दिवस तेज आंधी-बारिश से जलभराव की सूचना मिलने पर निरीक्षण करने पहुंची थीं। उन्हें स्थानीय रहवासियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क का निर्माण करा दिया गया है और नाले का निर्माण किया जाना है। इस पर उन्होंने तत्काल लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर तलब कर नाले की नप्ती कराई और नारियल फोड़कर अपने समक्ष ही नाला निर्माण कार्य प्रारंभ कराया।

■ महापौर मालती करने पहुंची थीं निरीक्षण

रोजगार की तलाश में कही थी विदेश जाने की बात, बाद में पत्नी और बच्चों से आरोपी ने बनाई दूरी

महाराष्ट्र के नागपुर से पकड़ाया, रायपुर लाकर की जा रही पूछताछ

पत्नी से पति मोबाइल पर तीन बार बोला तलाक, रायपुर पुलिस ने आरोपी को धरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विदेश में रहकर पत्नी को फोन पर तीन तलाक देने के मामले में रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ दर्ज शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर रायपुर पहुंचाया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसका पति रोजगार के लिए कई वर्ष पहले कुवैत चला गया था। विदेश में रहने के दौरान उसने परिवार से दूरी बना ली और पत्नी व बच्चों की जिम्मेदारियों से भी किनारा कर लिया। महिला का कहना है कि हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान पति ने विवाद के बाद तीन बार तलाक बोलकर वैवाहिक संबंध समाप्त करने की बात कही और उसे पत्नी के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार

संरक्षण) अधिनियम समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी भारत लौट आया है। तकनीकी निगरानी और सूचना तंत्र की मदद से उसका लोकेशन नागपुर में ट्रेस किया गया। पुलिस टीम ने नागपुर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

मामले से जुड़े सभी तथ्यों पर पुलिस कर रही जांच, पुलिस से की अभद्रता

जांच में यह भी देखा जा रहा है कि कहीं उसने पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से बचने के लिए इस तरह का कदम तो नहीं उठाया। मामले से जुड़े सभी तथ्यों और पारिवारिक विवाद के पहलुओं की जांच जारी है। अधिकारियों के मुताबिक कार्रवाई के दौरान आरोपी ने विरोध करने का प्रयास किया और पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी की। हालांकि टीम ने उसे काबू में लेकर रायपुर ले आई। जांच के दौरान एक और पहलू सामने आया है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के समय आरोपी की मां एक नाबालिग बच्ची को साथ लेकर वहां से चली गई।

पे-रोल लिंक्ड एसआईपी

वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश लगातार लोकप्रिय हो रहा है और करोड़ों लोग सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेश को और सरल तथा अनुशासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है। इसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों की सैलरी से सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश की व्यवस्था की जा सकती है। इस व्यवस्था को पे-रोल-लिंक्ड एसआईपी कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में नियमित निवेश की आदत विकसित करना, उन्हें जोखिमपूर्ण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंओ) ट्रेडिंग से दूर रखना और शेयर बाजार में स्थिर घरेलू पूंजी का प्रवाह बढ़ाना है। यदि यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को हर महीने अलग से निवेश करने की चिंता नहीं रहेगी, बल्कि वेतन मिलने के साथ ही तय राशि स्वतः म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। विशेषज्ञ इसे भारत में निवेश संस्कृति को नई दिशा देने वाला कदम मान रहे हैं। सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार सूचीबद्ध कंपनियां और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से पंजीकृत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की सैलरी से एक निश्चित राशि काटकर सीधे म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। कर्मचारी स्वयं यह तय करेंगे कि उन्हें किस फंड में और कितनी राशि निवेश करनी है। यह प्रक्रिया उसी प्रकार होगी जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के लिए वेतन से राशि काटी जाती है। अंतर केवल इतना होगा कि यह राशि कर्मचारी के चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश होगी और उसकी यूनिट्स कर्मचारी के डीमैट खाते में जमा हो जाएंगी।

सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में **SIP** के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंक्ड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निर्धारित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किस्तें छोड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि भी निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक **SIP** जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान

हाल के वर्षों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरिवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और SIP निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंक्ड SIP के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि म्यूचुअल फंड से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

पैसों को लेकर अपनाएं सही आदतें, भविष्य होगा सुरक्षित

सुझाव
बिजनेस डेस्क

20 साल की उम्र जिंदगी का वह पड़ाव है, जब पहली नौकरी, अपनी कमाई और आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास एक साथ मिलता है। यही वह समय भी होता है जब वित्तीय आदतों की नींव पड़ती है। यदि इस दौर में पैसों को लेकर सही फैसले लिए जाएं तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और मजबूत बन सकता है। वहीं कुछ सामान्य गलतियां लंबे समय में आर्थिक लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कम उम्र से ही बचत, निवेश और खर्च के बीच संतुलन बनाना सीखा जाए। कमाई शुरू होने के बाद अक्सर युवा अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। महंगे रेस्टोरेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, छुट्टियां और नए गैजेट्स पर खर्च बढ़ जाता है। जीवन का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन यदि आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश नहीं बढ़ते तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर वेतन वृद्धि का एक हिस्सा सीधे बचत या निवेश में लगाया जाए। इससे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार होता है और बड़े लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाता है।

जल्दी निवेश से बड़ा फायदा

निवेश की दुनिया में समय सबसे बड़ा साथी माना जाता है। कई युवा यह सोचकर निवेश टालते रहते हैं कि अभी उम्र कम है और बाद में शुरुआत कर लेंगे। लेकिन जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना अधिक फायदा चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग का मिलता है। छोटी-छोटी रकम का नियमित निवेश भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इसलिए पहली नौकरी के साथ ही निवेश की आदत विकसित करना भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग समझदारी से करें

क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन इसे अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। कई युवा जरूरत से ज्यादा खर्च कर लेते हैं और बाद में भुगतान करने में परेशानी का सामना करते हैं। समय पर भुगतान न होने पर भारी ब्याज देना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए, जितना आसानी से चुकाया जा सके। जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने पर यह अच्छा वित्तीय साधन साबित हो सकता है।

निवेश के उद्देश्य अलग-अलग हैं

कम उम्र में कई लोग ऐसे उत्पाद चुन लेते हैं जो बीमा और निवेश दोनों का दावा करते हैं। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा का उद्देश्य सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का उद्देश्य संपत्ति बनाना होता है। इसलिए पर्याप्त बीमा सुरक्षा के लिए अलग योजना और निवेश के लिए अलग विकल्प चुनना अधिक बेहतर माना जाता है। इससे दोनों लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सकता है।

इमरजेंसी फंड देता है आर्थिक सुरक्षा

जीवन में कब कोई अप्रत्याशित स्थिति आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, अचानक स्वास्थ्य संबंधी खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। ऐसे समय में आपातकालीन फंड बड़ी राहत देता है। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर राशि अलग रखने की सलाह देते हैं। यह फंड मुश्किल समय में कर्ज लेने की जरूरत को कम कर सकता है।

वित्तीय लक्ष्य तय करना भी है जरूरी

सिर्फ कमाना और निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि निवेश का उद्देश्य स्पष्ट हो। घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, व्यवसाय शुरू करना या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग योजना बनानी चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य होने से सही निवेश विकल्प चुनने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है। लक्ष्य आधारित निवेश लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकता है।

सही आदतें बनाती हैं मजबूत भविष्य

20 की उम्र में अपनाई गई अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य की आर्थिक सफलता का आधार बनती हैं। नियमित बचत, समय पर निवेश, नियंत्रित खर्च, पर्याप्त बीमा और आपातकालीन फंड जैसी आदतें आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। युवावस्था में लिया गया हर समझदारी भरा वित्तीय फैसला आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसलिए आज बनाई गई अच्छी आदतें ही कल के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनती हैं।

अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

- फ्रीलांसर, बिजनेसमैन और सेल्फ-एंप्लॉयड लोगों के लिए राहत
- एचआरए के बिना भी उपलब्ध है टैक्स छूट, जाने सेक्शन 80जीजी नियम
- छूट का दावा करने से पहले कुछ शर्तों को भी पूरा करना जरूरी
- छोटी-सी चूक पड़ सकती है भारी, इन सामान्य गलतियों से बचें

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौसम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग टैक्स बचाने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उनके वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

क्या है सेक्शन 80जीजी

सेक्शन 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी पात्रता शर्तें

करदाता को नौकरी या व्यवसाय से किसी प्रकार का एचआरए प्राप्त नहीं होना चाहिए। वह वास्तव में किराए के मकान में रह रहा हो और किराया चुका रहा हो। जिस शहर में वह रहता या काम करता है, वहां उसके नाम, उसके जीवनसाथी, नाबालिग बच्चों या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के नाम कोई आवासीय मकान नहीं होना चाहिए। आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले या उसके साथ ऑनलाइन फॉर्म 10बीए जमा करना अनिवार्य है। करदाता को पुरानी टैक्स व्यवस्था का चयन करना होगा। यदि इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन होता है तो टैक्स विभाग छूट के दावे को अस्वीकार कर सकता है।

एचआरए और सेक्शन 80जीजी में अंतर

कई लोग एचआरए और सेक्शन 80जीजी को एक जैसा समझते हैं, जबकि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है।नौकरीपेशा कर्मचारियों को मिलने वाली एचआरए छूट उनके वेतन, शहर और वास्तविक किराए के आधार पर निर्धारित होती है। इसमें किसी निश्चित अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है। इसलिए उच्च वेतन वाले कर्मचारियों को बड़ी टैक्स छूट मिल सकती है। वहीं, सेक्शन 80जीजी के तहत मिलने वाली छूट की एक निर्धारित अधिकतम सीमा है। चाहे कोई व्यक्ति सालभर में कितना भी अधिक किराया क्यों न चुका रहा हो, उसे एक निश्चित सीमा से अधिक टैक्स लाभ नहीं मिल सकता। वर्तमान नियमों के अनुसार सेक्शन 80जीजी के तहत अधिकतम 60,000 रुपये वार्षिक यानी 5,000 रुपये प्रतिमाह तक की ही छूट उपलब्ध है।

ऐसे होता है टैक्स छूट का कैलकुलेशन

धारा 80 जीजी के तहत मिलने वाली टैक्स छूट तीन अलग-अलग गणनाओं के आधार पर तय की जाती है। इनमें से जो राशि सबसे कम होती है, वही अंतिम डिडक्शन के रूप में स्वीकार की जाती है।

- **पहला फॉर्मूला :** 5,000 रुपये प्रति माह या 60,000 रुपये प्रति वर्ष
- **दूसरा फॉर्मूला :** समायोजित कुल आय का 25 प्रतिशत
- **तीसरा फॉर्मूला :** पूरे वर्ष में दिया गया वास्तविक किराया
- माइनस कुल आय का 10 प्रतिशत
- इन तीनों में जो सबसे कम राशि होगी, वही टैक्स छूट के रूप में मिलेगी।

पीपीएफ में निवेश का सही समय भी बढ़ा सकता है आपका रिटर्न

जानकारी
बिजनेस डेस्क

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) देश की सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। सरकारी गारंटी, टैक्स छूट और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकांश लोग इसे केवल टैक्स बचाने का साधन मानते हैं, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इससे बेहतर रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि पीपीएफ में केवल निवेश की राशि ही नहीं, बल्कि निवेश की तारीख भी आपके रिटर्न को प्रभावित करती है। यदि निवेशक हर महीने सही समय पर पैसा जमा करें तो उन्हें अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिल सकता है, जो लंबे समय में बड़ी रकम में बदल सकता है।

हर महीने 5 तारीख क्यों मानी जाती है महत्वपूर्ण

पीपीएफ खाते में ब्याज की गणना एक खास नियम के तहत की जाती है। प्रत्येक महीने की 5 तारीख और महीने के अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद न्यूनतम बैलेंस पर ब्याज तय किया जाता है। इसका मतलब है कि यदि कोई निवेशक किसी महीने की 5 तारीख या उससे पहले पैसा जमा करता है, तो उस रकम पर उसी महीने से ब्याज मिलना शुरू हो जाता है। इसके विपरीत यदि पैसा 5 तारीख के बाद जमा किया जाता है, तो उस पर ब्याज अगले महीने से लागू होता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15 वर्षों जैसी लंबी अवधि में यही अतिरिक्त ब्याज निवेशक की कुल संपत्ति को काफी बढ़ा सकता है।

छोटी-सी सावधानी बरतने से ही मिल जाएगा बड़ा फायदा

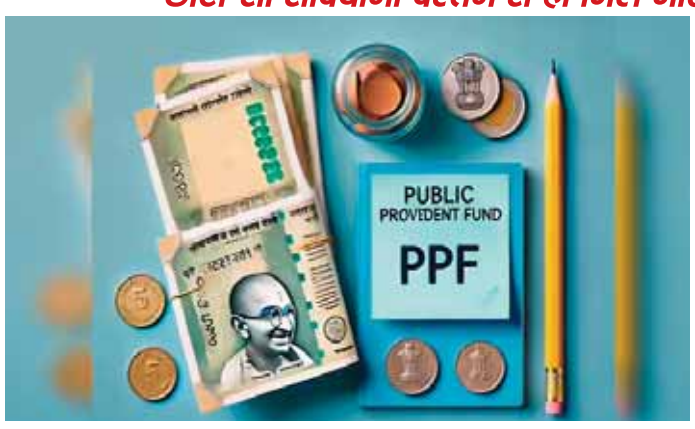

नियमित निवेश के साथ बढ़ता है कंपाउंडिंग का फायदा

पीपीएफ की सबसे बड़ी ताकत कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि ब्याज है। निवेश पर मिलने वाला ब्याज भी आगे चलकर ब्याज कमाने लगता है। यही कारण है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने वाले निवेशकों को बड़ा लाभ मिलता है। यदि निवेशक हर महीने की 5 तारीख से पहले निर्धारित राशि जमा करते हैं तो उनके खाते में अधिक समय तक ब्याज जुड़ता रहता है। इससे मैच्योरिटी के समय मिलने वाली राशि में सकारात्मक अंतर देखने को मिलता है।

अप्रैल में निवेश करने वालों को अतिरिक्त लाभ

पीपीएफ में एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। जिन निवेशकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है, वे वित्त वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही पूरी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसा करने पर पूरी रकम पूरे वर्ष के लिए ब्याज अर्जित करती है, जिससे कुल रिटर्न बढ़ जाता है। हालांकि अधिकांश वेतनभोगी निवेशकों के लिए एकमुश्त निवेश करना संभव नहीं होता। ऐसे में मासिक निवेश एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

निवेशक अक्सर कर बैठते हैं ये सामान्य गलतियां

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कई निवेशक कुछ छोटी-छोटी गलतियों के कारण पीपीएफ का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। सबसे आम गलती 5 तारीख के बाद पैसा जमा करना है। इससे उस महीने का ब्याज नहीं मिल पाता और लंबे समय में रिटर्न प्रभावित होता है। इसके अलावा कुछ निवेशक सालाना न्यूनतम निवेश की शर्त भूल जाते हैं। पीपीएफ खाते को सक्रिय बनाए रखने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये जमा करना जरूरी होता है। वहीं कई लोगों को यह भ्रम रहता है कि पीपीएफ की ब्याज दर 15 वर्षों तक एक जैसी बनी रहती है, जबकि ऐसा नहीं है।

ब्याज दरों में समय-समय पर हो सकता है बदलाव

वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। हालांकि यह दर स्थायी नहीं होती। केंद्र सरकार हर तिमाही इसकी समीक्षा करती है और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसमें बदलाव कर सकती है। इसलिए निवेशकों को यह समझना चाहिए कि भविष्य में मिलने वाला वास्तविक रिटर्न ब्याज दरों में होने वाले संभावित बदलावों पर भी निर्भर करेगा। फिर भी सरकारी सुरक्षा और टैक्स लाभ के कारण पीपीएफ को कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है।

15 वर्षों में कितना फंड बनेगा

यदि कोई निवेशक 15 वर्षों तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश करता है, तो मौजूदा ब्याज दरों के आधार पर मैच्योरिटी पर उसके पास लगभग 15 से 16 लाख रुपये का टैक्स फ्री फंड तैयार हो सकता है। वहीं यदि मासिक निवेश 10,000 रुपये हो, तो यह राशि 30 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच सकती है। जो निवेशक हर वर्ष अधिकतम 1.5 लाख रुपये की सीमा तक निवेश करते हैं, उनके लिए 15 वर्षों में 40 लाख रुपये से अधिक का कोष तैयार होने की संभावना रहती है। हालांकि वास्तविक राशि उस दौरान लागू ब्याज दरों पर निर्भर करेगी।

जारी रख सकते हैं निवेश

पीपीएफ की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 15 वर्षों की मूल अवधि पूरी होने के बाद भी खाता बंद करना अनिवार्य नहीं है। निवेशक इसे पांच-पांच वर्षों के ब्लॉक में आगे बढ़ा सकते हैं। वे चाहें तो नए निवेश के साथ खाते को जारी रख सकते हैं या बिना अतिरिक्त निवेश के भी जमा राशि पर ब्याज प्राप्त करते रह सकते हैं। इससे कंपाउंडिंग का लाभ और अधिक समय तक मिलता रहता है तथा रिटायरमेंट जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प

म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और कई अन्य निवेश विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। इसके विपरीत पीपीएफ बाजार की अस्थिरता से प्रभावित नहीं होता और सरकारी गारंटी के साथ सुरक्षित निवेश का अवसर प्रदान करता है। साथ ही इसमें निवेश की गई राशि, अर्जित ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम तीनों टैक्स फ्री होती हैं।

गलत एसेट एलोकेशन और जल्दबाजी से बिगड़ती है निवेश की रणनीति

एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत?

बिजनेस डेस्क

देश में म्यूचुअल फंड और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई निवेशक लंबे समय तक निवेश करने के बाद भी उम्मीद के मुताबिक संपत्ति नहीं बना पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह गलत एसेट एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गोल्ड या लिक्विड फंड में कितना बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल अच्छा फंड चुनना काफी नहीं होता, बल्कि सही एसेट एलोकेशन ही लंबे समय में संपत्ति बनाने की असली कुंजी है।

क्या होता है एसेट एलोकेशन?

एसेट एलोकेशन का मतलब है अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास में बांटना। इसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेट फंड, गोल्ड, लिक्विड फंड और इंटरनेशनल निवेश शामिल हो सकते हैं।

अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में भ्रम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर होम लोन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शॉक एब्जॉर्बर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम कीमत पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका मूल एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरुआत में 70:30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करता रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90:10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत नकदी की जरूरत पड़ सकती है। यदि मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उम्र और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का परिणाम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनाता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशक को घबराने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक वही होते हैं जो बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।

पेड्डी' विवादः बुची बाबू सना ने मांगी माफी

हैदराबाद । राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। इस बीच फिल्म विवादों के घेरे में भी घिर गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर के किरदार और कुछ रोमांटिक सीन्स को लेकर जमकर आलोचना हो रही है। ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने इस विवाद पर सफाई देते हुए माफी मांग ली है। डायरेक्टर ने सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सिनेमा का काम दर्शकों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ना है। इससे किसी को असहज या बेइज्जती महसूस नहीं होनी चाहिए।

लाइफ Style

शरवरी

भाषाएं करती हैं मुझे आकर्षित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा।

शरवरी वाघ ने कहा,'घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था। शरवरी ने कहा, भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है। शरवरी ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं। शरवरी ने कहा, अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं।

हॉलीवुड मसाला

अमीर म्यूजिशियन में हुईं शुमार

लॉस एंजेलिस। टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे अमीर म्यूजिशियन की लिस्ट में शुमार हो गई हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगर की नेटवर्थ 2 अरब डॉलर से अधिक हो गई है। इसी नेटवर्थ के साथ वह संगीत की दुनिया की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। उन्हें ये कामयाबी उनके म्यूजिक टूर से हुई जबरदस्त कमाई और अपने गानों की ओनरशिप को वापस लेने के लिए उठाए गए उनके समझदारी भरे कदम से मिली है। इन आंकड़ों के साथ टेलर स्विफ्ट को अरबपति का दर्जा मिल गया है।

जेनिफर ने तोड़ी अफवाहों पर चुप्पी

लॉस एंजेलिस। जेनिफर लोपेज इस वक्त सिंगल हैं। हालांकि, कुछ फैंस ने कयास लगाए हैं कि जेनिफर ने अपनी फिल्म 'ऑफिस रोमांस' के को-स्टार के साथ रियल लाइफ में रोमांस शुरू कर दिया है। हालांकि, इन अफवाहों पर खुद ही चुप्पी तोड़ी है। बता दें कि लोपेज और 45 साल के गोल्डस्टीन इन दिनों नेटफ्लिक्स रोमांटिक कॉमेडी 'ऑफिस रोमांस' में लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट को लेकर अपने प्रमोशनल टूर के दौरान कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आई और इसी के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें लगने लगीं। लोपेज ने अपनी डेटिंग की अफवाहों पर साफ-साफ बात की। उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं होता कि जब मुझे किसी के साथ देखें या किसी के साथ काम करते हुए देखा जाए तो लोग मुझे उस व्यक्ति के साथ न जोड़ें।

'बेबी डू डाई डू' का टीजर रिलीज...

मुंबई। हुमा कुरैशी की नई फिल्म 'बेबी डू डाई डू' का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें एक्ट्रेस का अवतार चौंकाने वाला है। फैंस क्रेजी हो गए हैं और वो तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीजर की शुरुआत कॉमिक स्टाइल में होती है और यह काफी इंगेजिंग है। हुमा कुरैशी इसमें एक किलर के रोल में नजर आ रही हैं और उनका अंदाज एकदम बेखौफ और धाकड़ है। इसमें हुमा कुरैशी एक हिटवुमन के रोल में हैं। टीजर में दिखाया गया है कि मुंबई में लगातार हत्याएं हो रही हैं, पर कातिल कौन है, इसका किसी को कुछ पता नहीं है। मीडिया से लेकर पुलिस खोजबीन कर रही है, पर कातिल का कहीं कोई सुराग नहीं। फिर पता चलता है कि कातिल एक महिला है, जो बोल-सुन नहीं सकती है और वो हैं हुमा कुरैशी फिल्म को नचिकेत सामंत ने डायरेक्ट किया है।

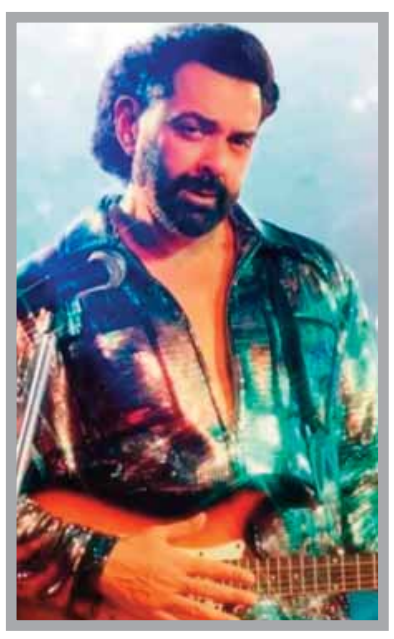

बॉबी की फिल्म 'बंदर' पड़ी फीकी...

मुंबई। सिनेमाघरों में जब दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो तो बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तुलना अक्सर की जाती है। इसी तरह 5 जून को रिलीज हुईं दो फिल्में, अनुराग कश्यप की 'बंदर' और डेविड धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है।' दोनों ही फिल्मों की शैली एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। इसके बावजूद फिल्मों को उनकी ऑडियंस मिली और फिल्मों को पसंद किया गया। फिल्म की रिलीज के पहले दिन इनकी कमाई का बात करें तो 'बंदर' थोड़ी फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। कलेक्शन के मामले में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म ने बंदर को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड धवन के निर्देशन में बनी 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म 9081 शोज में चली, जिससे फिल्म का पहले दिन का नेट कलेक्शन 7.50 करोड़ रुपए रहा।

टीवी मसाला

एकता ने स्मृति पर लुटाया प्यार..

मुंबई। अभिनेत्री स्मृति ईरानी और टेलीविजन की महारानी एकता कपूर ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को दो दशकों से अधिक पुरानी अपनी अटूट दोस्ती की झलक दिखाई है। एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्मृति की साझा की गई एक पोस्ट को रीशेयर किया, जिसमें स्मृति ने एकता को उनके नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं। स्मृति के प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए एकता ने कहा कि स्मृति का साथ उनके लिए गर्व की बात है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एकता ने लिखा, मेरी तुलसी, तुम्हारा साथ मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। साथ में उन्होंने दिल वाले इमोजी भी लगाए। स्मृति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आप हमेशा से ही चमकती रही हैं, एकता कपूर और आज आपने दूसरों को भी अपनी चमक बिखेरने का मौका दिया... एक और सफलता के लिए बधाई। एकता ने स्मृति को मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में उनके किरदार के नाम से संबोधित किया। इस शो की बात करें तो इसका निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया था और इसका प्रीमियर 2000 में हुआ था। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' शो जुलाई 2000 में पहले सीजन के रिलीज होने के 25 साल बाद अगस्त 2025 में इसका दूसरा सीजन शुरू हुआ। स्मृति ईरानी तुलसी का किरदार निभा रही हैं और अमर उपाध्याय एक बार फिर मिहिर की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

शिल्पा का विवादित पोस्ट, कहा- 'हमेशा बोलने को तैयार, जो उखाड़ना है उखाड़ लो

मुंबई। अंगूरी भाभी के किरदार से घर घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। साल 2017 में उन्होंने 'भाभी जी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर पर यौन उत्पीड़न का इल्जाम लगाया था। अब हाल ही में भारती सिंह के पॉडकास्ट पर उन्होंने कबूला कि वो इल्जाम झूठा था। ये बात सामने आते ही कई लोगों के रिएक्शन इस पर देखने मिले। सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर एक्ट्रेस हिना खान ने भी शिल्पा शिंदे के खिलाफ अपना रिएक्शन दिया। शिल्पा शिंदे की जमकर ट्रोलिंग शुरु हो गई।

ऐसे में शिल्पा ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिस पर लिखा था- 'हमेशा बोलने को तैयार, जो उखाड़ना है उखाड़ लो।' साथ ही बिना किसी का नाम लिए कैप्शन में लिखा- 'जलने वालों जलते रहो अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जलाकर खत्म कर दो।' शिल्पा शिंदे ने पॉडकास्ट में बताया कि साल 2016 में जब उन्होंने 'भाभी जी घर पर है' शो छोड़ा, तब उनका मेकर्स के साथ कॉन्ट्रेक्ट को लेकर विवाद चल रहा था। अपने पैसे लेने के लिए एक्ट्रेस मजबूर हो गईं थीं इसलिए उन्होंने प्रोड्यूसर पर यौन उत्पीड़न का झूठा इल्जाम लगाया। बाद में उन्होंने मेकर्स के साथ सेटलमेंट कर ली थी। हैरानी की बात ये है कि एक्ट्रेस ने सालों तक इस बात छिपाकर रखा और करीब 9 साल बाद इस बात खुलासा किया।

दीया : करियर के शिखर पर लिया ब्रेक

मुंबई। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल ही में अपने जीवन के ऐसे दौर को याद किया, जब वह कॅरियर की ऊंचाइयों पर होने के बावजूद अंदर से खुद को अधूरा महसूस कर रही थीं। दीया ने बताया कि केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने दो साल के लिए काम से दूरी बनाने का फैसला किया था। दीया ने कहा, मैंने जीवन का एक बड़ा हिस्सा मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया में बिताया, लेकिन एक समय ऐसा आया, जब मुझे अपने काम और अपने विचारों के बीच अंतर महसूस होने लगा। उन्होंने कहा, यह ब्रेक मेरे लिए सिर्फ काम से दूरी बनाने का समय नहीं था, बल्कि खुद को फिर से समझने और पहचानने की यात्रा थी। यह अपने घर लौटने जैसा अनुभव था। इस समय ने मेरी यह समझने में मदद की कि जीवन में केवल नाम, पैसा और लोकप्रियता ही सबकुछ नहीं है। असली खुशी तब मिलती है, जब इंसान अपने काम, विचारों और उद्देश्य के साथ जुड़ाव महसूस करे।

कॉकटेल में अपने रोल को लेकर डरी हुई थीं रश्मिका

मुंबई। फिल्म पुष्पा की श्रीवल्ली और एनिमल की गीतांजलि जैसी भूमिकाओं से बिल्कुल अलग अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आगामी फिल्म कॉकटेल 2 में एक ग्लैमरस और बिंदास लड़की दीया की भूमिका में नजर आएंगी। कॉकटेल में 'दीया' का रोल स्वीकार करने से पहले रश्मिका के मन में भी कई सवाल थे। इस बारे में रश्मिका कहती हैं, मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने अब तक जितनी फिल्में की हैं, उनमें से इसमें मेरा लुक अब तक का सबसे ज्यादा ग्लैमरस और बिंदास है। इससे पहले कि मेरी जिस तरह की फिल्में रही हैं, उनको ध्यान में रखकर मैंने सोचा कि दर्शकों को मुझसे कुछ गंभीर या ड्रामेटिक परफार्मेंस की उम्मीद होगी। इसमें मैंने पहली बार ऐसा कुछ हल्का-फुल्का, प्यार, दोस्ती और पागलपन पर आधारित काम किया है। रश्मिका ने कहा, शुरू में मेरे मन में भी यह सवाल था कि क्या इस फिल्म के साथ आगे बढ़ना सही निर्णय होगा।

थिएटर में चीखने-चिल्लाने की आवाजें, रिकॉर्ड तोड़ रही 'ऑब्सेशन'

लॉस एंजेलिस। बीते कुछ सालों में रोमांस से भरपूर फिल्मों की बजाय हॉरर फिल्मों ने इंडस्ट्री में अपना दबदबा बना लिया है। हॉरर फिल्मों में भी लोगों को सिर्फ भूत प्रेत की कहानी पसंद नहीं आती बल्कि लोगों को हॉरर फिल्मों में दमदार स्टोरी के साथ ही इमोशनल और मेंटल स्ट्रेस से भरपूर फिल्मों में मजा आता है। हॉरर फिल्मों का क्रेज लोगों के मन में इतना ज्यादा बढ़ गया है कि लोग इसे बेहतर साउंड इफेक्ट्स के साथ थिएटर्स में देखना पसंद करते हैं। तो अगर आपको हॉरर फिल्में देखने का शौक है तो हम आपको एक ऐसी फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने पूरी दुनिया में धमाल मचा दिया है।

सिर्फ 9 करोड़ में बनी फिल्म, कमा डाले 1400 करोड़

फिल्म की कहानी

यह कहानी बेयर की है, जो एक अकेला और रोमांटिक लड़का है और एक म्यूजिक स्टोर में काम करता है। वह बचपन से ही अपनी दोस्त और साथ काम करने वाली निक्की से चुपके-चुपके प्यार करता है। अपने दिल की बात कहने की एक और नाकाम कोशिश के बाद, बेयर एक क्रिस्टल की दुकान पर जाता है और 'वन विश विलो' नाम की एक अजीब चीज खरीदता है। वह एक विश मांगता है कि निक्की उसे दुनिया में किसी भी और इंसान से ज्यादा प्यार करे। उसकी यह विश काफी खतरनाक तरीके से पूरी होती है। निक्की की फीलिंग्स बेकाबू जुनून भरी हो जाती है। उसका प्यार घुटन भरा हो जाता है। वह बेयर से दूर नहीं रह पाती। जब बेयर उससे दूर जाता है तो वह घबरा जाती है, और जैसे-जैसे उसका प्यार एक जुनून में बदलता है, वह बेहद डरावना बर्ताव करने लगती है।

'ऑब्सेशन' की स्टोरी ने उड़ाए होश : हम बात कर रहे हैं साल 2026 में आई धमाकेदार फिल्म ऑब्सेशन की जिसकी स्टोरी ने लोगों को होश उड़ा दिए हैं और इस फिल्म को देखकर लोग डर के मारे थर-थर कांप रहे हैं। फिल्म के अंदर कुछ ऐसे सीन डाले गए हैं, जिनके अचानक सामने आते ही किसी की भी चीख निकल जाएगी।

'ऑब्सेशन' का इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन

29 मई को रिलीज हुई फिल्म 'ऑब्सेशन' के बारे में 9 से 10 करोड़ रुपए में बनी ये हॉरर फिल्म फैन्स के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। दुनिया भर में इस फिल्म ने 10 करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। भारत में भी, 'ऑब्सेशन' सिनेमाघरों में काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। 'ऑब्सेशन' इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की दुनिया भर में कुल कमाई करीब 1400 करोड़ रुपए (162 मिलियन डॉलर) हो गई है।